

डॉ. जॉन ओसवाल्ट, राजा, सत्र 26, भाग 3

2 राजा 17, भाग 3

© 2024 जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

इस्राएल के पतन के परिणाम अध्याय 17 आयत 24 से 41। अब मेरे पास RSV है, क्षमा करें। मेरे पास NIV है, और एक शब्द है जो NIV में बहुत बार दिखाई देता है।

यह शब्द आराधना है। आप श्लोक 25 में देखते हैं कि जब वे पहली बार वहाँ रहते थे, तो उन्होंने प्रभु की आराधना नहीं की। ये वे लोग हैं जिन्हें अशूरियों ने उन लोगों की जगह लाया था जिन्हें उन्होंने बाहर निकाल दिया था।

जैसा कि मैंने आपको कई बार बताया है, यह असीरियन नीति थी। आप विभिन्न संस्कृतियों, विभिन्न भाषाओं, विभिन्न धर्मों, विभिन्न लोगों के समूहों के विशाल साम्राज्य पर कैसे शासन करेंगे? ठीक है, आप उन्हें मिक्स मास्टर में डाल देते हैं। आप उन्हें हर जगह ले जाते हैं।

आप उन सभी को मिला देते हैं। सबसे पहले, यह उन्हें असंतुलित रखता है। इसलिए, वे क्रांति शुरू करने की संभावना नहीं रखते हैं।

लेकिन दूसरी बात, यह एक बिलकुल नई शाही संस्कृति का निर्माण करता है। इसलिए, श्लोक 25, जब वे पहली बार वहाँ रहते थे, ये आने वाले लोग, उन्होंने प्रभु की पूजा नहीं की। खैर, मुझे नहीं लगता कि यह गलत व्याख्या है, लेकिन यह हिब्रू में शब्द नहीं है।

हाँ क्या है? डर, डर को चिह्नित करें। इस भाग में प्रभु का भय प्रकट होता है।

श्लोक 32 और 39 के बीच 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11 बार। यह हर श्लोक में आता है। मुझे लगता है कि वे शायद कोई बात कहना चाह रहे हैं।

ये लोग प्रभु का भय नहीं मानते थे। यह इससे भी बढ़कर है कि वे प्रभु की पूजा नहीं करते थे। बल्कि, मुझे संदेह है कि वे उनकी पूजा करते थे।

बाद में बताया जाएगा कि वे प्रभु से डरते नहीं थे। ओह, मुझे लगता है कि वे उसकी पूजा करते थे। ठीक है।

और मुझे माफ़ करें। ऐसे बहुत से अमेरिकी ईसाई हैं जो प्रभु से नहीं डरते। "वे उसकी पूजा कर सकते हैं।"

लेकिन वे अपने जीवन को इस समझ पर नहीं बनाते कि एक सर्वशक्तिमान सत्ता है जो हमारे जीवन को अपनी हथेली पर रखती है और जो एक दिन हमसे इसका हिसाब मांगेगी। यही प्रभु का भय है, और मैंने आपसे इसके बारे में कई बार बात की है।

और जब तक आप मुझे यहाँ रहने देंगे, मैं इसके बारे में बात करता रहूँगा क्योंकि यह बहुत महत्वपूर्ण है। जब 1 यूहन्ना कहता है कि सिद्ध प्रेम भय को दूर करता है, तो वह प्रभु के भय के बारे में बात नहीं कर रहा है।

वह न्याय के डर के बारे में बात कर रहा है। अरे यार, वह मुझे पकड़ने के लिए बाहर है। और मैं मरने जा रहा हूँ और नरक में जा रहा हूँ।

पूर्ण प्रेम आपको इससे मुक्ति दिलाता है। वह आपको पाने के लिए नहीं है। वह आपसे प्यार करता है।

और तुम उससे अपने पूरे दिल से प्यार करते हो। और तुम्हें नरक से डरने की ज़रूरत नहीं है। यही बात 1 यूहन्ना कह रहा है।

लेकिन यह विचार कि हम अपने जीवन का निर्माण इस अहसास पर करते हैं कि वह वास्तव में कौन है - यही प्रभु का भय है। जीना, और वह शब्द जो अक्सर इस्तेमाल किया जाता है, बुरा नहीं है, श्रद्धापूर्वक विस्मय में जीना, तब तक जीना जब तक हमें ऐसा महसूस न हो कि हम जीवन के लिए तैयार हैं।

एक प्रभावी जीवन हमेशा खुद का ख्याल रखने से आता है। उस अर्थ में भगवान को देखो; भगवान भगवान है। मैं हमेशा उन लोगों से नाराज हो जाता हूँ जो कहते हैं कि भगवान भगवान नहीं है।

जब वे कहते हैं कि ईश्वर ईश्वर नहीं है, तो यह बुराई है। जब वे कहते हैं कि ईश्वर ईश्वर नहीं है, तो यह बुरी बात है। और वॉलमार्ट ने इस सप्ताह एक डील की है।

मैं जानता हूँ कि भगवान ने कहा है कि ऐसा करो, लेकिन यह बहुत मुश्किल है। यह सुविधाजनक नहीं है। यह आसान नहीं है।

यह सिर्फ भगवान है। इसलिए ये लोग, ये प्रवासी, भगवान से नहीं डरते थे। इसलिए शेर आ गए।

यह मेरी तस्वीर है। और उन्हें खाना शुरू कर दिया। और लोगों ने अशशूर के राजा को संदेश भेजा और कहा, एक मिनट रुको, एक मिनट रुको।

यहाँ कुछ गड़बड़ है। उसने उनके बीच शेर भेजे हैं, जो उन्हें मार रहे हैं क्योंकि लोग नहीं जानते, इंग्लिश स्टैंडर्ड वर्शन कहता है, परमेश्वर के नियम को नहीं जानते। एनआईवी ने इसे बेहतर तरीके से समझाया है।

एनआईवी कहता है कि वह नहीं जानता कि उसे क्या चाहिए। क्योंकि हम यहाँ टोरा के बारे में बात नहीं कर रहे हैं। हम परमेश्वर की वाचा की शर्तों के बारे में बात नहीं कर रहे हैं।

हम बात कर रहे हैं, जैसा कि मैंने यहाँ कहा है, पैटर्न या वरीयता के बारे में। दरअसल, किंग जेम्स बहुत अच्छा है। तरीका।

हाँ, हो सकता है। एनएलटी ने वाकई सही कहा है। मेरा इससे कोई लेना-देना नहीं है।

धार्मिक रीति-रिवाज। हम नहीं जानते कि परमेश्वर हमसे क्या चाहता है। अब, हमारे पास समय नहीं है, लेकिन यहाँ एक और महत्वपूर्ण प्रश्न है।

क्या परमेश्वर ने कहा, मैं उन लोगों को खा जाना चाहता हूँ? मुझे लगता है कि मैं उन पर कुछ शेर भेजूँगा। खैर, पाठ कहता है, उन्होंने पूजा नहीं की, उन्होंने प्रभु का भय नहीं माना, इसलिए उसने उनके बीच शेर भेजे।

खैर, इस बारे में सोचो। यह भूमि उजाड़ है। जो लोग वास्तव में जानते हैं कि वे क्या कर रहे हैं, उन सभी को घसीट कर ले जाया गया है।

और केवल वे लोग ही बचे हैं जो नहीं जानते कि वे क्या कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में क्या होता है? देश पागल हो जाता है। और इस समय तक, जॉर्डन घाटी में शेर थे।

लोग वहाँ पानी की एक छोटी सी शीशी अपने साथ अमेरिका ले जाने के लिए नहीं गए थे। यह एक जंगल था। एक घिनौना जंगल।

और वहाँ जंगली जानवर थे। अब, यह भूमि उजाड़ हो गई है। यह जंगली है।

क्या होता है? आपके आस-पास जंगली जानवर घूमते हैं। अब, क्या भगवान ने ऐसा कहा, और मुझे लगता है कि आप जानते हैं कि मैं किस उत्तर की तलाश कर रहा हूँ। क्या भगवान ने कहा, मैं उन लोगों को पकड़ने जा रहा हूँ?

मेरा मानना है कि मैं उन्हें खाने के लिए कुछ शेर भेजूँगा। मुझे ऐसा नहीं लगता। यह वह ईश्वर नहीं है जिसे बाइबल हमारे लिए चित्रित करती है।

क्या भगवान ने उन शेरों की संख्या बढ़ाई? हाँ, उसने ऐसा किया। पूरी ऐतिहासिक परिस्थिति इसी का नतीजा थी। और इसलिए, लोगों ने कहा, वाह, भगवान हमें पकड़ने के लिए बाहर है।

हम यहाँ कुछ गलत कर रहे हैं। लगभग 50 शताब्दियों से यही धर्म रहा है। भगवान हमें पकड़ने के लिए तैयार है।

हम ज़रूर कुछ गलत कर रहे हैं। आइए जानें कि वह क्या चाहता है। आइए हम उसे बलिदान दें।

तो, क्या हुआ? अशूर के राजा ने कहा, ठीक है, सामरिया से बंदी बनाए गए पुजारियों में से एक को वापस वहाँ भेजो और लोगों को सिखाओ कि उस देश के परमेश्वर की क्या माँग है। तुम क्या

सोचते हो कि उत्तरी राज्य के एक इस्राएली पुजारी ने उन लोगों को क्या सिखाया? क्या उसने उन्हें परमेश्वर का वचन सिखाया? नहीं। उसने उन्हें धार्मिक व्यवहार का एक मिश्रण सिखाया।

थोड़ा सा यहोवावाद मिला हुआ? हाँ, ज़रूर। थोड़ा सा बुतपरस्ती मिला हुआ? ज़रूर। बस इतना कि काम चल जाए।

ओह! यह सर्वोत्तम प्रकार का मानव धर्म है।

तो, एक याजक आया। एक। और वह कहाँ रहने आया? मैं श्लोक 28 देख रहा हूँ।

बेतेल। बेतेल क्या था? यह वह जगह थी जहाँ सोने की एक मूर्ति थी। यह वह जगह है जहाँ याकूब ने परमेश्वर को देखा था।

तो, मुझे लगता है कि उनके पास एक अद्भुत मिश्रण था। कुछ ऐतिहासिक परंपराएँ। थोड़ी सी याह्विस्टिक मूर्तिपूजा भी।

तो, श्लोक 29 को देखें। फिर भी, प्रत्येक राष्ट्रीय समूह ने अपने-अपने शहरों में अपने-अपने देवता बनाए, जहाँ वे बसे थे और उन्हें उन मंदिरों में स्थापित किया जो सामरिया के लोगों ने अपने ऊँचे स्थानों पर बनाए थे। हाँ।

उन्होंने कहा, ओह, ठीक है। ठीक है। उन्होंने उसे बाल नाम दिया।

हम उसे निभज कहेंगे। और यहाँ पर, वे उसे यहोवा कहते हैं। हम उसे तारतक कहेंगे।

और यहाँ, हाँ, सब कुछ सही क्रम में है। तैयार और जाने के लिए तैयार। श्लोक 31।

अवियों ने निभज और तर्ताक बनाए। सपर्वियों ने अपने बच्चों को सपर्वेम के देवताओं अद्रामेलेक और अनमेलेक के लिए आग में जला दिया। अब देखो।

पद 32 को देखें। वे यहोवा का भय मानते थे, लेकिन उन्होंने अपने सभी लोगों को ऊँचे स्थान पर पूजा-स्थलों में पुजारी के रूप में नियुक्त किया। वे यहोवा का भय मानते थे, लेकिन उन्होंने रीति-रिवाजों के अनुसार अपने देवताओं की सेवा भी की।

यह वही शब्द है। उन राष्ट्रों के रीति-रिवाज जहाँ से उन्हें लाया गया था। अब, आप इसका क्या मतलब समझते हैं? वह कहावत क्या है? वे प्रभु से डरते थे, लेकिन।

वे भगवान से डरते थे, लेकिन। यह क्या कह रहा है? एक बहुत ही सीमित श्रद्धांजलि। हम वह न्यूनतम कार्य करेंगे जो हमें लगता है कि हमें उस भगवान को खुश रखने के लिए करना चाहिए।

लेकिन सुनो, हम अपने खुद के देवताओं की पूजा करने जा रहे हैं जिन्हें हम पसंद करते हैं और जिनसे हम परिचित हैं और जिनसे हम प्यार करते हैं। और हम वहाँ हैं... उनके आधारों को कवर करें। उनके आधारों को कवर करें, बिल्कुल।

बिल्कुल। हम यहाँ और शेर नहीं चाहते। हाँ।

हमें खाए जाने से बचने के लिए कम से कम क्या करना होगा? हाँ। इसे तुष्टिकरण कहते हैं। हाँ।

हाँ। उसे खुश करने के लिए। फिर से, मैं आईने में देखता हूँ, और कहता हूँ प्यारे भगवान, क्या यह मेरा वर्णन है? ओह, मैं भगवान से डरता हूँ।

और क्या मैं अपने हाथों के काम की पूजा कर रहा हूँ? क्या मैं सफल होने के लिए शक्ति प्राप्त करने की कोशिश कर रहा हूँ? क्या मैं खुद को आरामदायक और सुरक्षित बनाने के लिए इस दुनिया की शक्तियों को हेरफेर करने की कोशिश कर रहा हूँ? मैं कह सकता हूँ कि यह एक ऐसा सवाल है जो हम सभी को नियमित रूप से पूछने की ज़रूरत है। क्या मैं वास्तव में प्रभु से डरता हूँ? अब, मेरी बात सुनो। फिर से, हमारे पास बहुत मुश्किल समय है।

खैर, डर... अब वह मुझे कहाँ ले जाएगा? लेकिन हिब्रू शब्द का अर्थ यह नहीं है। यह श्रद्धापूर्ण भय का विचार है। अपने जीवन को इस ज्ञान के साथ जिँकिए कि एक ईश्वर है, और वह आप नहीं हैं।

यही है प्रभु का भय। खैर, इससे पहले कि मैं आपको जाने दूँ, मैं उस 17वें अध्याय की आयत 35 से 39 की ओर मुड़ता हूँ - जो कि परमेश्वर ने उनके लिए जो कुछ किया था उसका एक सुंदर सारांश है।

परन्तु यहोवा, जो तुम को बड़ी सामर्थ और बढ़ाई हुई भुजा के द्वारा मिस्र से निकाल लाया है, उसी का भय मानना। उसी के आगे दण्डवत् करना। उसी को बलि चढ़ाना।

तुम्हें हमेशा उन नियमों, विधियों, टोरा, निर्देशों और आज्ञाओं का पालन करने में सावधान रहना चाहिए जो उसने तुम्हारे लिए लिखी हैं। दूसरे देवताओं से मत डरो। उस वाचा को मत भूलना जो मैंने तुम्हारे साथ बाँधी है।

अरे हाँ, मुझे याद है। मैं बस ऐसा नहीं करता। तो फिर तुम भूल गए हो।

दूसरे देवताओं से मत डरो। क्या तुम्हें लगता है कि वह कोई बात कहना चाह रहा है? दुनिया की सारी ताकतें, मानवता की सारी ताकतें, सारी ताकतें जो हम पर दबाव डालती हैं, उनसे मत डरो। अपने जीवन को इस आधार पर मत तय करो कि वे तुम्हारे साथ क्या कर सकती हैं।

बल्कि, अपने परमेश्वर यहोवा से डरो, और यह आ जाएगा। यह वही है जो तुम्हें तुम्हारे शत्रुओं के हाथ से बचाएगा। हाँ।

अगर वे सचमुच आपको पकड़ना चाहते हैं तो आपको चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। और वे ऐसा कर रहे हैं। वे ऐसा कर रहे हैं।

लेकिन प्रभु का धन्यवाद करें। उसे याद रखें। उससे डरें।

और आपको किसी और चीज़ से डरने की ज़रूरत नहीं है। यही अच्छी खबर है।

आइए प्रार्थना करें।

प्रिय प्रभु, जब हम आपके वचन के इस दुखद अध्याय को पढ़ते और सोचते हैं, तो हम कहते हैं, हे ईश्वर, हमारे बारे में ऐसा न कहा जाए। हमारे बारे में ऐसा न कहा जाए कि हमने इस दुनिया के सभी देवताओं की सेवा करते हुए आपकी सेवा की। हमारे बारे में ऐसा न कहा जाए कि आपने हमारे लिए जो किया है, उसे हम भूल गए हैं।

हमारे बारे में ऐसा मत कहो कि हमने राष्ट्रों के तरीकों का अनुसरण किया है। हे प्रभु, हमारे बारे में ऐसा ही कहा जाए। वे लोग हैं जिन्होंने अपनी वाचा को याद रखा, जिन्होंने अपने परमेश्वर को याद रखा और उनका भय माना और इसलिए स्पष्ट प्रतिबद्धताओं, आत्मविश्वास और आनंद के साथ जीवन व्यतीत किया।

धन्यवाद, यीशु। आपके नाम में, आमीन।